

**रेडियोतार** पुं. (अं.+देश.) बिना तार के संबंध के संदेश भेजने और प्राप्त करने की प्रक्रिया।

**रेडी** वि. (अं.) तैयार।

**रेडीमेड** वि. (अं.) बना-बनाया, तैयार उदा. कपड़ों में सिले-सिलाएं परिधान।

**रेढ़ना** स.क्रि. (देश.) लुढ़काना, घिसटते हुए चलने को प्रवृत्त करना, रुक रुक कर बोलना, धीरे धीरे गिड़गिड़ाना।

**रेढ़ी** स्त्री. (देश.) खुदरा सब्जी, फल या अन्य वस्तुएँ बेचने के लिए प्रयुक्त और हाथ से ठेले जाने वाली गाड़ी, लढिया, बैल गाड़ी।

**रेणु** स्त्री. (तत्.) 1. रज, धूल, धूल का कण, बाल, रेल 2. पुष्प का पराग 3. चूर्ण, पाउडर 4. किसी वस्तु का बहुत छोटा परिमाण कण, कणिका 5. हिंदी के एक प्रसिद्ध उपन्यासकार फणीश्वर नाथ रेणु।

**रेणुका** स्त्री. (तत्.) 1. रेणु, बालू, धूल 2. परशुराम की माता का नाम 3. पृथ्वी 4. एक तीर्थ का नाम।

**रेणुकाश्म** पुं. (तत्.) बलुआ पत्थर, ऐसा पत्थर या चट्टान जो साधारण से आघात से ही टुकड़ों में बिखर जाए।

**रेत** पुं. (देश.) बालू, रेत।

**रेतघड़ी** स्त्री. (देश.) समय मापने के लिए बनाया गया एक उपकरण जिसमें दो समान आयतन के दो पात्र परस्पर तलों से जुड़े होते हैं पर दोनों के बीच एक बहुत छोटा सा छिद्र होता है इसमें ऊपर के पात्र में बालू या रेत अथवा जल भरा जाता है और उस छिद्र के जरिए वह सामग्री एक निश्चित समय/अंतराल में (प्रायः एक घंटे में) नीचे के पात्र में आ जाती है।

**रेता** पुं. (देश.) बालू, रेत।

**रेती** स्त्री. (देश.) 1. लोहे का एक औजार जिससे कोई वस्तु रेतकर काटी जाती है या चिकनी और सुडौल की जाती है 2. अधिक रेत वाली जगह;

रेतीला मैदान, नदी के बीच में स्थित जमीन का टुकड़ा।

**रेतीला** वि. (देश.) 1. मिट्टी आदि या अन्य कोई वस्तु जिसमें रेत मिली हुई हो, बालुका मय, बलुआ 2. जहाँ बहुत अधिक रेत पड़ी हुई हो या बिछी हो 3. मरुस्थलीय, रेगिस्तानी।

**रेनडियर** पुं. (अं.) ध्रुव प्रदेश के निकट पाया जाने वाला एक प्रकार का हिरन।

**रेफ** स्त्री. (तद्.) 1. 'र' अक्षर, रकार 2. 'र' का किसी वर्ण के पहले आने पर शिरोरेखा के ऊपर लगने वाला रूप उदा. धर्म, शर्त, मर्म आदि में 'र' का रूप 3. ध्वनि-विशेष; अनुराग, स्नेह।

**रेफरी** पुं. (अं.) खेलों की प्रतियोगिता में नियुक्त निर्णायक या पेंच; मध्यस्थ, निर्देशी।

**रेल** स्त्री. (अं.) 1. रेलगाड़ी की पटरी 2. रेलगाड़ी। स्त्री. (देश.) 1. रेलने की क्रिया या भाव, तीव्र प्रवाह या बहाव, जल-प्रवाह, पानी का बहाव 2. अधिकता, बाहुल्य 3. धक्कम-धक्का।

**रेलना** स.क्रि. (देश.) 1. आगे बढ़ने के लिए पीछे से भीड़ का औरों को ढकेलना या धक्का देना 2. तेज बहाव का वस्तुओं को अपने साथ बहा ले जाना 3. किसी वस्तु को ठूस-ठूस कर भरना, ठसा ठस भरना 4. ठूस-ठूस कर खाना।

**रेलपेल** क्रि.वि. (देश.) रेल-ठेल, भीड़-भाड़, धक्का-मुक्की।

**रेलवे** स्त्री. (अं.) 1. रेलगाड़ियों का विभाग या मंत्रालय आदि 2. रेलगाड़ी की पटरी।

**रेला** पुं. (देश.) 1. तेज प्रवाह, समूह, भीड़ 2. भीड़ में होने वाला धक्कम-धक्का, धक्का मुक्की 3. आक्रमण, धावा 4. अधिकता, बाहुल्य, बहुतायत 5. तेज वर्षा 6. संगीत में अति द्रुत लय में और अति सरल गति में बजते मधुर बोल या उन्हें बजाने की कला।

**रेवंद** पुं. (फा.) हिमालय पर मिलने वाला एक पेड़।

**रेवड़** पुं. (देश.) 1. भेड़-बकरियों का समूह, गल्ला, लहँड़ा 2. पशुओं का झुंड, पशु-समूह।